सत्यमेव जयते

न्यायालय
सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी
गुढामालानी

(पीठासीन अधिकारी –केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

प्रार्थना पत्र सं.:– 2025/801 दर्ज तिथिः– 15.12.2025

1. मगाराम पुत्र करनाराम
2. खेताराम पुत्र करनाराम
3. पुखराज पुत्र करनाराम
4. दोलीदेवी पत्नी करनाराम

जाति जाट निवासी राणासर खुर्द तहसील नोखड़ा।

...........प्रार्थीगण

बनाम

1. कानाराम पुत्र हीराराम
2. आईदानराम पुत्र लाधाराम
3. खूमाराम पुत्र मोमताराम
4. चेनाराम पुत्र खेताराम
5. जेसाराम पुत्र लाधाराम
6. दलूदेवी पत्नी लाधाराम
7. पूनमाराम पुत्र लाधाराम
8. पपूराम पुत्र मोमताराम
9. पुरखाराम पुत्र खेताराम
10. भंवराराम पुत्र सोनाराम
11. हरखूदेवी पत्नी मोमताराम
12. आदूराम पुत्र पोकरराम
13. उदाराम पुत्र डूंगरराम
14. चुनीदेवी पत्नी पोकरराम
15. ठाकरराम पुत्र पोकरराम
16. दानाराम पुत्र हरलाल
17. धनाराम पुत्र डूंगरराम
18. पुनमाराम पुत्र हरलाल
19. पुरखाराम पुत्र पोकरराम
20. प्रतापसिंह पुत्र डूंगरराम

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2026.02.21 14:06:17 IST
Reason: SelfAttested

21. विश्नाराम पुत्र पोकराराम
22. सरूपाराम पुत्र डूंगराराम
23. अणसीदेवी पत्नी अमराराम
24. केसराराम पुत्र सेवाराम
25. चोखाराम पुत्र चेनाराम
26. जुजाराम पुत्र गोरधनराम
27. जेठाराम पुत्र सगरामा
28. ठाकराराम पुत्र मोडाराम
29. ठाकराराम पुत्र सगरामा
30. धर्माराम पुत्र सगरामा
31. मुलाराम पुत्र अमराराम
32. मोडाराम पुत्र सरदाराराम
33. सालूराम पुत्र पूनमाराम
34. हनुमानराम पुत्र पूनमाराम
35. खूमाराम पुत्र गुलाबाराम
36. चनणी पत्नी पूनमा
37. जोगीदेवी पुत्री गोरधनराम
38. वगताराम पुत्र गुलाबाराम
39. वीरोदेवी पत्नी गोरधनराम
40. हनुमानराम पुत्र गुलाबाराम
    कौम जाट निवासी लाला की बेरी, बाण्ड तहसील नोखड़ा
41. तिलोकाराम पुत्र सोनाराम
42. बालीदेवी पत्नी पेमाराम
43. लाखाराम पुत्र सोनाराम
44. मगाराम पुत्र अमराराम
45. मायादेवी पत्नी भागीरथराम
46. ओमाराम पुत्र जगमालराम
47. हनुमानराम पुत्र जगमालाराम
48. हिमताराम पुत्र जगमालाराम
49. कबुदेवी पत्नी जगमालराम
50. जेठाराम पुत्र मोतीराम
    जाति मेघवाल निवासी लाला की बेरी, बाण्ड तहसील नोखड़ा

...........असल अप्रार्थीगण

51. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार नोखड़ा

................तकमीली अप्रार्थीगण

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2026.02.21 14:06:17 IST
Reason: SelfAttested

मगाराम बनाम कानाराम
2025 / 801
निर्णय दिनांकः–12.02.2026

उपस्थित अधिवक्ता
प्रार्थीः– श्री नरपत कुमार
अप्रार्थीगणः– एकतरफा

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–111, 128
राजस्थान भू–राजस्व अधि–1956

–:निर्णयः–

निर्णय तिथिः– 12.02.2026

1. आज यह पत्रावली प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–111, 128 राजस्थान भू–राजस्व अधि–1956 वास्ते निर्णय हेतु पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृतान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थीगण द्वारा प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया कि प्रार्थीगण की हाल आराजी खसरा संख्या 366 / 2.7033 है0 मौजा लाला की बेरी पटवार हल्का बाण्ड तहसील नोखड़ा में स्थित है। उक्त वर्णित आराजी प्रार्थीगण की कब्जेकाश्त खातेदारी की आराजी है एवं आराजी पर प्रार्थीगण काबिज रहकर बिना किसी बाधा वो रूकावट के काश्त करते चले आ रहे है। उक्त खातेदारी आराजी से अप्रार्थीगण का कोई हक संबंध किसी प्रकार का नहीं है। अप्रार्थीगण प्रार्थीगण की आराजी के कार्यकाश्त में बाधा डालते हैं। उक्त आराजी का मौके पर सीमांकन नहीं होने से प्रार्थीगण द्वारा सीमांकन कराए जाने बाबत तहसीलदार नोखड़ा के यहां प्रार्थना–पत्र पेश किया जिस पर तहसीलदार नोखड़ा के आदेश दिनांक 26.11.2025 की पालना में दिनांक 03.12.2025 को पटवारी हल्का बाण्ड द्वारा उक्त आराजी का सीमांकन करवाया गया। परन्तु अप्रार्थीगण मौके पर असंतुष्ट होकर पैमाईश को नहीं मान रहे है तथा प्रार्थीगण की आराजी को अपनी आराजी में मिलाना चाहते है। अब प्रार्थीगण अपनी खातेदारी आराजी खसरा संख्या 366 / 2.7033 है0 मौजा लाला की बेरी पटवार हल्का बाण्ड तहसील नोखड़ा की पत्थरगढ़ी दिनांक 03.12.2025 की सीमाज्ञान रिपोर्ट के अनुसार कराना चाहते है। अंत में प्रार्थना–पत्र प्रार्थीगण स्वीकार कर आराजी उक्त की पत्थरगढ़ी मुताबिक पैमाइश के अनुसार कराए जाने के आदेश जारी करने का निवेदन किया गया।

2. प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया एवं अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थीगण बावजूद विधिवत तामील अनुपस्थित होने के कारण उनके विरूद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गयी।

3. न्यायालय द्वारा विद्वान अधिवक्ता की बहस सुनी गई। दौराने बहस प्रार्थीगण अधिवक्ता द्वारा प्रार्थना–पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए प्रार्थना–पत्र प्रार्थीगण स्वीकार कर आराजी की मुताबिक पैमाइश दिनांक 03.12.2025 के अनुसार पत्थरगढ़ी के आदेश जारी करने का निवेदन किया है।

Signature Not Verified
Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2026.02.21 14:06:17 IST
Reason: SelfAttested

4. मैंने बहस प्रार्थीगण अधिवक्ता पर मनन किया। प्रकरण में सर्वप्रथम राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—111 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार हैः—

> ***111. Decision of disputes as to boundaries***.—(1) *In case of any dispute concerning any boundaries the Land Records Officer shall decide such dispute, so far as possible, on the basis of the existing survey maps and, where this is not possible or such maps are not available, on the basis of actual possession.*
>
> *(2) If, in the course of an inquiry into a dispute under this section the Land Records Officer is unable to satisfy himself as to which party is in the possession or it if is shown that possession has been obtained by wrongful dispossession of the lawful occupants within a period of three months previous to the commencement of the inquiry, the Land Records Officer shall ascertain by summary inquiry who is the party best entitled to possession and shall then fix the boundary accordingly.*

5. राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—111 के अनुसार खसरों की सीमाओं के विवाद को हाल राजस्व नक्शे के अनुसार तथा हाल राजस्व नक्शे के उपलब्ध न होने पर वास्तविक कब्जे के आधार पर निस्तारित किये जाने के प्रावधान बनाये गये है। खसरों की सीमाओं के विवाद को निस्तारित करने की प्रक्रिया के सम्बन्ध में राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—128 के तहत प्रावधान बनाये गये है। अतः प्रकरण में साथ ही राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—128 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार हैः—

> ***128. Boundary disputes.*** *- All disputes concerning boundaries shall be decided by the Land Record Officer in the manner laid down in section 111:*
>
> ***Provided that*** *applications in relation to boundaries of fields may be made to and disposed of by the Tehsildar in cases where there exists no dispute as to such boundaries but on account of the absence of proper boundary marks there is the likelihood of such a dispute arising.*

6. उक्त विधिक प्रावधानों के संदर्भ में पत्रावली पर संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी संवत् 2076—79 वाकै ग्राम लाला की बेरी में राजस्व इन्द्राज एवं तहसीलदार नोखड़ा द्वारा किये गये सीमांकन रिपोर्ट का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। बाद अवलोकन पाया गया कि पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व रिकॉर्ड वाके ग्राम लाला की बेरी के अंकित इन्द्राज के अनुसार उक्त आराजी प्रार्थीगण की सालिम खातेदारी की आराजी होना साबित है। साथ ही संलग्न रिपोर्ट पैमाइश दिनांक 03.12.2025 से भी यह तथ्य प्रार्थीगण साबित है कि प्रार्थीगण द्वारा तहसीलदार नोखड़ा के माध्यम से हल्का पटवारी से युक्त वर्णित आराजी की पैमाइश कराई जा चुकी है। सीमाज्ञान रिपोर्ट में पटवारी हल्का द्वारा मौके पर मुस्तकिल बिन्दु मानकर सीमाज्ञान किया। मौके पर

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2026.02.21 14:06:17 IST
Reason: SelfAttested

प्रार्थीगण को सीमाचिह्न बताकर प्रार्थीगण को संतुष्ट किया गया है। तहसीलदार रिपोर्ट के अनुसार उक्त वर्णित आराजी की खसरे की सीमाओं को लेकर अप्रार्थीगण के साथ सीमा विवाद है। इस प्रकार प्रार्थीगण की अपनी कब्जेशुदा खातेदारी आराजी की सुरक्षा तथा सीमा विवाद के निस्तारण हेतु पत्थरगढ़ी के प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाकर आदेश जारी किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः

आदेश है कि

प्रार्थना–पत्र प्रार्थीगण अंतर्गत धारा–128 भू–राजस्व अधिनियम–1956 के बाबत् पत्थरगढ़ी किये जाने का स्वीकार किया जाता है। हाल आराजी खसरा संख्या 366 / 2.7033 है0 मौजा लाला की बेरी पटवार हल्का बाण्ड तहसील नोखड़ा पर प्रार्थीगण एवं संबंधित पक्षकारों / हितधारकों की पूर्व सूचित उपस्थिति में खातेदारी आराजी पर पत्थरगढ़ी किये जाने के आदेश तहसीलदार नोखड़ा को दिये जाते हैं एवं साथ ही निर्देश दिये जाते हैं कि अप्रार्थीगण को मौके पर उपस्थित रहने बाबत जरिये नोटिस पूर्वसूचित करते हुए पत्थरगढ़ी की जाकर पालना रिपोर्ट न्यायालय को अवगत करायें। पक्षकार अपना–अपना खर्चा स्वयं वहन करेंगे।

आदेश प्रति पालनार्थ हेतु तहसीलदार नोखड़ा को भिजवाई जावें। अहकाम पृथक से जारी किया जावे।

यह आदेश मेरे द्वारा आज दिनांक 12.02.2026 को लिखवाया जाकर सरे–इजलास सुनाया जाकर हस्ताक्षर व मोहर युक्त जारी किया गया।

सत्यमेव जयते
गुढ़ामालानी

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)
उपखण्ड अधिकारी
गुढामालानी

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2026.02.21 14:06:17 IST
Reason: SelfAttested